

सुबनसरी बाँध परियोजना

असम-अरुणाचल सीमा पर लोअर सुबनसरी जलवदियुत परियोजना (SLHEP) हाल ही में मानसून पूर्व बारिश के दौरान भूस्खलन की चपेट में आ गई।

- हालाँकि परियोजना को कोई क्षति नहीं हुई है और जून 2023 से इसका संचालन आरंभ हो जाएगा।



भूस्खलन:

- **परिचय:**
 - भूस्खलन को पृथ्वी के ढलान के नीचे की ओर व्यापक रूप से मृदा, चट्टान और मलबे के संचलन के रूप में परिभाषित किया गया है। इस शब्द में ढलान की गतिके 5 प्रकार शामिल हैं: गरिना (Falls), लुढ़कना (Topples), फसिलना (Slides), प्रसरण (Spreads) और प्रवाहति होना (Flows)।
- **प्रमुख कारण:**
 - भू-वर्ज्ञान: पदार्थ के लक्षण; पृथ्वी या चट्टान कमज़ोर या खंडित हो सकती है या अलग-अलग परतों में भिन्न प्रकार की प्रबलता एवं कठोरता आ सकती है।
 - आकृतिक वर्ज्ञान: भूमिकी संरचना; अग्निआ सूखे की स्थिति में वनस्पतिविहीन ढलान भूस्खलन के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।
 - प्राकृतिक कारण: भारी वर्षा, भूकंप, हिमपात और बाढ़ के कारण ढाल का कटाव।
 - मानव गतिविधि: कृषि और नरिमाण कार्यों से भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है।
- **भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र:**
 - **संपूर्ण हिमालयी पथ:**
 - ~ 66.5% भूस्खलन उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र से और ~ 18.8% पूर्वोत्तर हिमालय से रिपोर्ट किया गए हैं।
 - पश्चिमी घाट (~14%) और कोंकण क्षेत्र
 - तमलिनाडु में नीलगरि

लोअर सुबनसरी जलवदियुत परियोजना (SLHEP):

- **परिचय:**
 - SLHEP 2000 मेगावाट (8x250 मेगावाट) क्षमता वाला एक नरिमाणाधीन ग्रेवटी (गुरुत्त्व) बाँध (लगभग 90% काम पूरा) है।
 - यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी जलवदियुत परियोजना है तथा सुबनसरी नदी पर एक रन ऑफ रिवर योजना है।
 - रन-ऑफ-रिवर बाँध वह होता है जिसमें बाँध के नीचे की ओर नदी का जल प्रवाह बाँध के ऊपरी भाग में नदी के जल प्रवाह के समान होता है।
 - दूसरे शब्दों में जल को बाँध में रोका/संग्रहीत नहीं किया जाता है; यह नदी के साथ प्रवाहति होता है।
 - SLHEP का नरिमाण राष्ट्रीय जलवदियुत नगिम (National Hydroelectric Power Corporation- NHPC) लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

- सुबनसरी नदी:
 - सुबनसरी या "गोल्ड रिवर" ऊपरी ब्रह्मपुत्र नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
 - यह तबिबती हिमालय से निकलती है और अरुणाचल प्रदेश (मरी हलिस) से होकर भारत में प्रवेश करती है।
- SLHEP के संबंध में विवाद: परियोजना के कार्यान्वयन में शामिल बाँध सुरक्षा और प्रशासनिक जैसे कई मुद्दों पर स्थानीय आंदोलन के कारण परियोजना को लंबाई थी:
 - SLHEP ने ब्रह्मपुत्र बोर्ड अधिनियम, 1980 का उल्लंघन करते हुए सुबनसरी बेसिन के जल संसाधन विभाग के कार्य को ब्रह्मपुत्र बोर्ड से सार्वजनिक और नज्दी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया।
 - जैसा की IT रुड़की द्वारा आकलन किया गया है कि बाँध के भूकंपीय खतरे के स्तर में वृद्धि होने की संभावना है।

नोट:

- अरुणाचल प्रदेश को प्रायः देश के वदियुतघर के रूप में जाना जाता है, यह देश की 148,701 मेगावाट जलवदियुत क्षमता में 34% (50,328 मेगावाट) का भागीदार है।

ग्रैवटी डैम:

- ग्रैवटी डैम का निर्माण कंक्रीट अथवा सीमेंट से किया जाता है (तटबंधों के निर्माण में उपयोग किये जाने वाली मृदा और चर्नाई वाले पत्थरों के विपरीत)।
- जल प्रतधारण की इसकी प्राथमिक वधिजिल के क्षैतजि दबाव का सामना करने के लिये उपयोग की गई सामग्री के वज़न पर निर्भर करती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति नदियों पर वचिार कीजयि: (2014)

1. बराक
2. लोहति
3. सुबनसरी

उपर्युक्त में से कौन अरुणाचल प्रदेश से होकर बहती है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)